भारत सरकार
रक्षा मंत्रालय
रक्षा विभाग
लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या 382
12 अगस्त, 2016 को उत्तर के लिए

सैन्य विमानों का ध्वंस होना

***382. श्री दुष्यंत चौटाला :**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान ध्वंस हुए सैन्य विमानों की कुल संख्या कितनी है ;

(ख) क्या भारतीय वायुसेना के अधिकांश विमान पुराने पड़ चुके हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(ग) सरकार द्वारा पुराने पड़ चुके विमानों को उत्तरोत्तर उन्नत करने, आधुनिक बनाने और प्रतिस्थापित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं ?

उत्तर
रक्षा मंत्री (श्री मनोहर पर्रीकर)

(क) से (ग): एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है ।

लोक सभा में दिनांक 12 अगस्त, 2016 को उत्तर दिए जाने के लिए तारांकित प्रश्न संख्या 382 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) गत तीन वर्षों (2013-14, 2014-15, 2015-16) और चालू वर्ष 2016-17 (09.08.2016 तक) के दौरान हेलीकॉप्टरों सहित सैन्य विमान दुर्घटनाओं का वर्ष-वार ब्यौरा निम्नानुसार है :

वर्ष	वायुसेना	नौसेना	सेना
2013-14	07	शून्य	02
2014-15	10	02	03
2015-16	06	शून्य	02
2016-17 (09.08.2016 तक)	04	शून्य	शून्य

(ख) भारतीय वायुसेना इन्वेंट्री पुराने और नई पीढ़ी के विमानों का मिश्रण है । उपकरण का पुराना होना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है और इसका समाधान उपयुक्त रखरखाव, अप्रचलन प्रबंधन, उन्नयन और नए प्लेटफार्मों के अर्जन के जरिए किया जाता है । ऐसा कोई विमान जिसने अपनी निर्धारित सेवावधि पूरी कर ली है, भारतीय वायुसेना के प्रचालन (आपरेशन) में नहीं है । सभी मौजूदा बेड़ों की संक्रियात्मक उपयोग हेतु सेवावधि शेष है और शामिल किया गया प्रत्येक विमान पूर्ण रूप से उड़ान भरने योग्य है ।

(ग) सैन्य विमान का उन्नयन, आधुनिकीकरण और प्रतिस्थापन राष्ट्रीय सुरक्षा/खतरा अवधारणा तथा रक्षा सेनाओं के सामरिक उद्देश्यों तथा संक्रियात्मक आवश्यकताओं पर निर्भर करता है और सरकार द्वारा इसकी समय-समय पर समीक्षा की जाती है । यह एक सतत प्रक्रिया है ।

****